UGC NET

DAILY 12:00 PM

FILLERFORM LIVE NTA UGC NET 2022

हिंदी साहित्य (PAPER-2)

हिंदी की वाक्य रचना

इकाई-1 (भाग-18)

BY JYOTI MA'AM

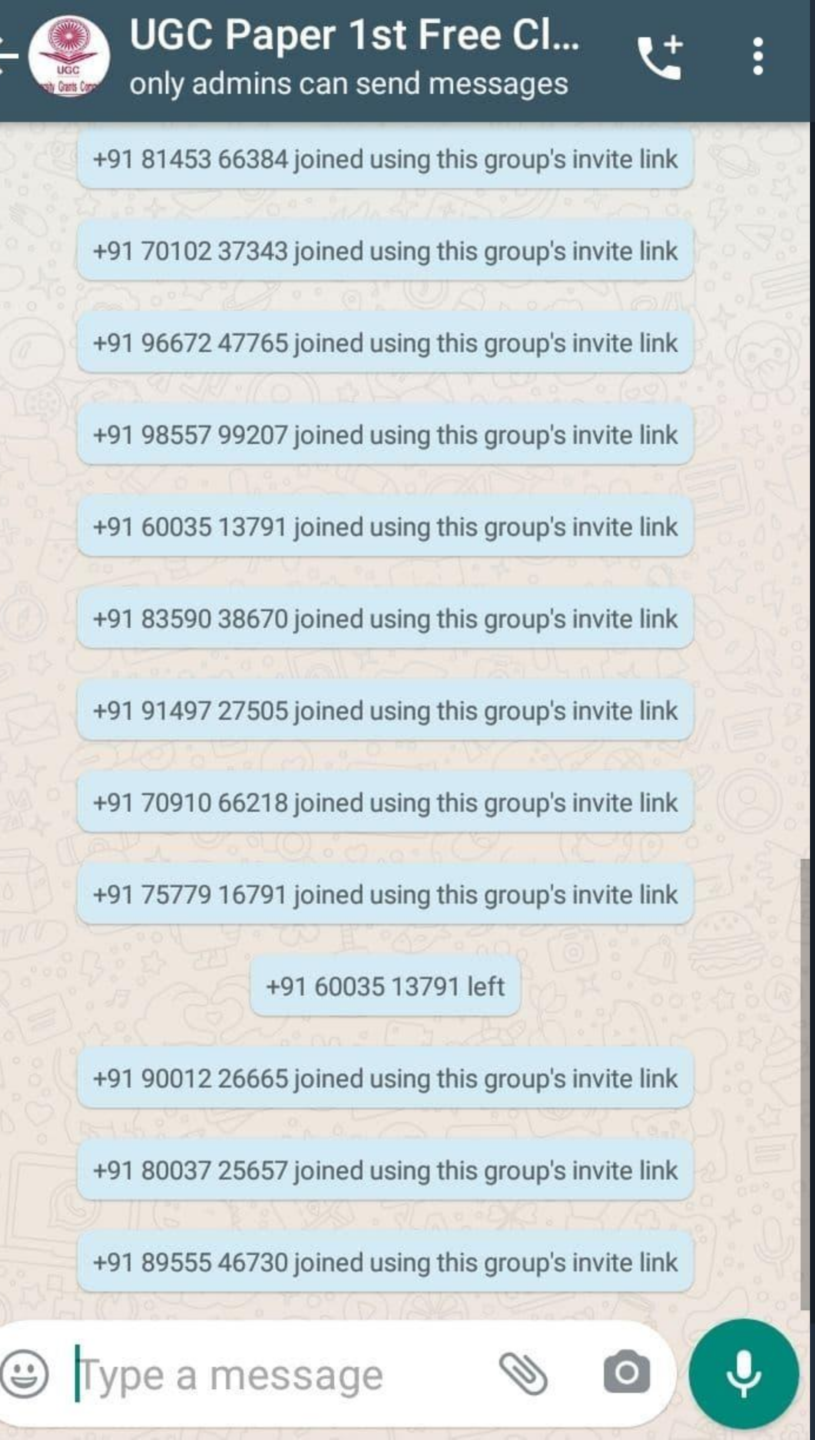
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
rsity Grants Comm
Broadcast

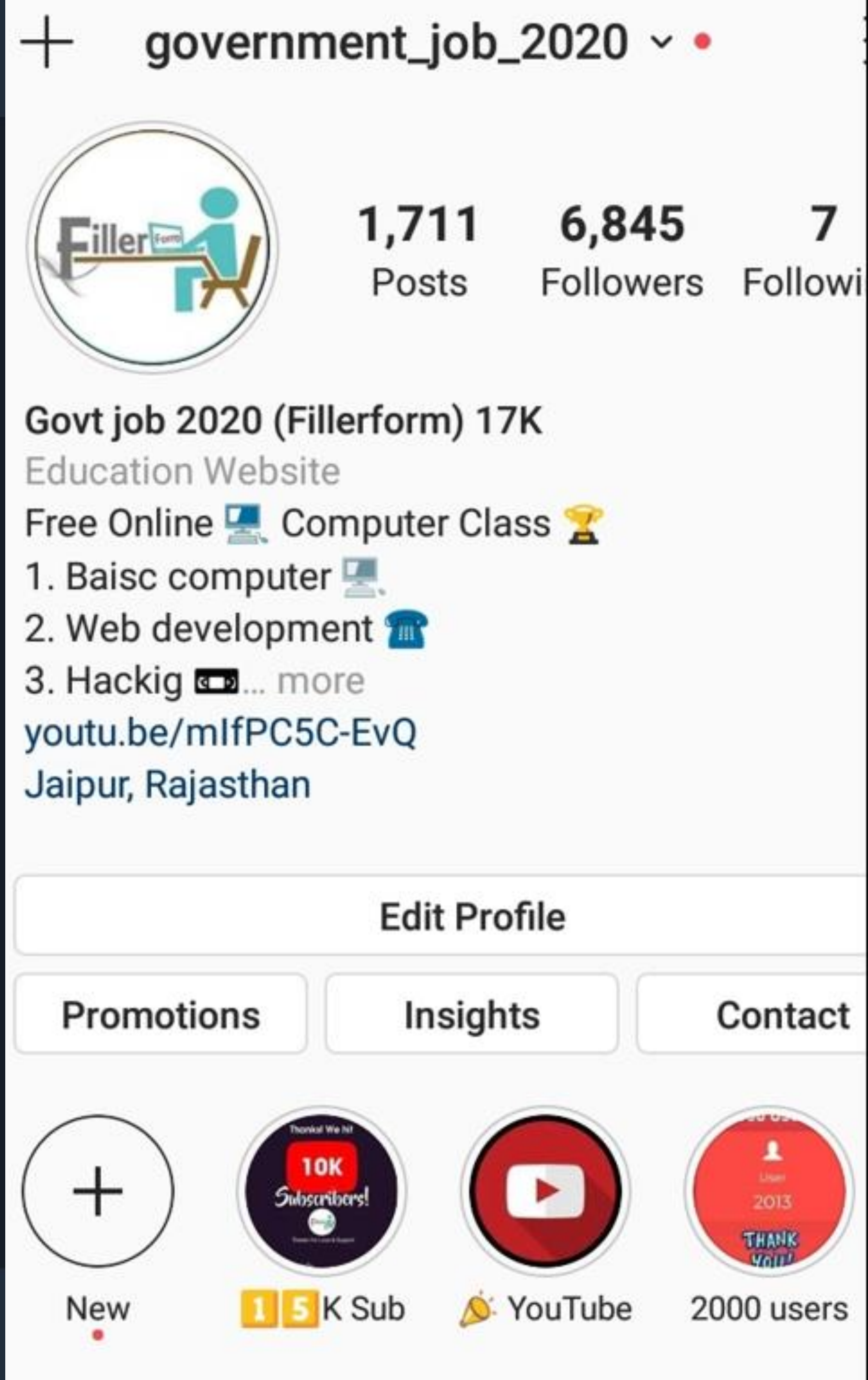
government_job_2020
1,711
Posts
6,845
Followers
7
Followi
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
15K Sub
YouTube
2000 users

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

Quiz Start

UGC NET

Paper 1st & 2nd

Coming Soon

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

Join UGC NET Quiz

- 09:30 AM- GK
- 11:50 AM- Paper 1st
- 02:50 PM- Paper 1st PYQ
- 05:00 PM- 2nd Paper
- 09:50 PM- Math MCQ

www.ugc-net.com

8209837844

हिन्दी सिलेबस

www.ugc-net.com

इकाई - I

हिन्दी भाषा और उसका विकास।

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, अपभ्रंश अवहठ, और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियां। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं। हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी। हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना –उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना – लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रुप, हिन्दी – वाक्य – रचना। हिन्दी भाषा – प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा। संचार माध्यम और हिन्दी, कम्पूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। देवानागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

8209837844

www.ugc-net.com

हिंदी की वाक्य रचना

इकाई-1 भाग-18

8209837844

हिंदी की वाक्य रचना

www.ugc-net.com

1. भाषा के अध्ययन के लिए वाक्य का समुचित ज्ञान आवश्यक है |
2. शब्दों का ऐसा सार्थक एवं क्रमबद्ध समूह जिसके द्वारा बोलने वाले और लिखने वाले दोनों का ही मन्तव्य प्रकट हो जाए उसे **वाक्य** कहते हैं|

8209837844

www.ugc-net.com

वाक्य की आवश्यकताएं/अनिवार्य तत्व /शर्त

- क्रमबद्धता
- सार्थकता
- योग्यता
- आकांक्षा
- निकटता
- अन्वय (मेल)

वाक्य की आवश्यकताएं /अनिवार्य तत्व /शर्त

1.**क्रमबद्धता**:- उचित क्रम का होना नितांत आवश्यक है |

जैसे:- राम गया

गया राम

2. **सार्थकता** :- वाक्य के शब्द सार्थक होनी चाहिए |

उदाहरण :- मोहन दूध पीता है |

मोहन दूध खाता है|

कभी-कभी निरर्थक पद भी भावभिव्यक्ति कर देते हैं –

जैसे 1. तुम बहुत बक-बक कर रहे हैं |

चुप भी रहोगे या नहीं?

3. योग्यता :- वाक्यों की पूर्णता के लिए उसके पदों, पात्रों ,घटनाओं आदि का उनके अनुकूल ही होना चाहिए|

1.वाक्य प्रकृति विरुद्ध नहीं हो|

१.मैं आम खाता हूं|

२. मैं आग खाता हूं |

2. बात समाज इतिहास, भूगोल, विज्ञान आदि विरुद्ध ना हो |

१.भारत के उत्तर में श्रीलंका है|

4. आकांक्षा :- यदि वाक्य में आकांक्षा शेष रह जाती है तो उसे अधूरा वाक्य माना जाएगा |

१. खाता है |

8209837844 www.ugc-net.com

5. निकटता :- बोलते तथा लिखते समय वाक्य के शब्दों में परस्पर निकटता का होना बहुत आवश्यक है|

१.गंगा ....पश्चिम से.......पूर्व की ओर बहती है |

२. गंगा पश्चिम से पूर्व की ओर बहती है|

6. अन्वय (मेल) :- लिंग, वचन, पुरुष, काल ,कारक आदि का क्रिया के साथ ठीक ठीक मेल होना चाहिए|

जैसे :-

१.बालक और बालिकाएँ गई|

२. बालक और बालिकाएँ गए|

8209837844 www.ugc-net.com

वाक्य के भाग (अंग)

उद्देश्य ⟷ **विधेय**

1.उद्देश्य :- जिसके बारे में कुछ बताया जाता है |

१.मुस्कान किताब पढ़ती है |

२. युवराज दौड़ता है|

2. विधेय:- उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है|

१. नंदनी किताब पढ़ती है|

8209837844 www.ugc-net.com

वाक्य के भेद (रचना के आधार पर)

- साधारण /सरल वाक्य
- मिश्रित वाक्य
- संयुक्त वाक्य

वाक्य के भेद (रचना के आधार पर)

1.साधारण/ सरल वाक्य :- जिस वाक्य में एक ही क्रिया एक ही कर्ता होता है |जिन वाक्यों में एक ही उद्देश्य व एक ही विधेय होता है |

उदाहरण १. पानी बरसा

२. बिजली चमकती है|

2. मिश्रित वाक्य:- जिसमें एक से अधिक वाक्य मिले हो किंतु एक प्रधान उपवाक्य हो तथा शेष आश्रित उपवाक्य हो मिश्रित वाक्य कहलाते हैं|

उदाहरण :-

१.मेरा दृढ़ विश्वास है कि भारत जीतेगा|

२. सफल वही होता है जो परीक्षण करता है |

यह वाक्य निम्न शब्दों से जुड़े होते हैं की ,जी ,क्योंकि ,जितना ,उतना ,जैसा, वैसा ,जब ,तक, जहां ,वहां ,जिधर, उधर ,अगर ,यदि, तो ,यद्यपि ,तथापि|

8209837844 www.ugc-net.com

3. संयुक्त वाक्य:- इस वाक्य में दो या दो से अधिक उपवाक्य मिली परंतु सभी वाक्य प्रधान हो|

यह वाक्य निम्न योजन शब्दों से जुड़े होते हैं –

और ,एवं, तथा, या, इसलिए, अथवा, अतः फिर भी, तो ,नहीं तो, किंतु परंतु, लेकिन ,पर आदि|

उदाहरण;-

१.वह सुबह गया और शाम को लौट आया|

२. प्रिय बोलो पर असत्य नहीं |

३. उसने बहुत परीक्षण किया किंतु सफलता नहीं मिली|

संयुक्त वाक्यों में प्रत्येक वाक्य अपनी स्वतंत्र सत्ता बनाए रखता है वह एक दूसरे पर आश्रित नहीं होता केवल संयोजक अव्यय उन्हें स्वतंत्र वाक्यों को मिलाते हैं

वाक्य के भेद- अर्थ के आधार पर(आठ)

1.सरल वाक्य:- जिनमें कोई बात साधारण ढंग से कही जाती है|

उदाहरण :- १. रिंक्की खाना बना रही है|

२. राम ने बाली को मारा|

2. निषेधात्मक वाक्य :- जिसमें किसी काम के ना होने का बोध हो |

उदाहरण:-

१.आज वर्षा नहीं होगी|

२. मैं आज घर नहीं जाऊंगा|

3. प्रश्नवाचक वाक्य:- जिनमें प्रश्न पूछने का भाव उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं |

उदाहरण :-

१.राम ने रावण को क्यों मारा?

२. तुम कहां रहते हो ?

4. आज्ञावाचक वाक्य:- जिनसे आज्ञा, उपदेश आदि का ज्ञान होता है| उसे आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं|

उदाहरण :-

१.वर्षा होने पर ही फसल होगी |

२. बड़ों का सम्मान करो|

5.संकेतवाचक वाक्य :- जिनसे संकेत का बोध होता हो|

उदाहरण:-

१.यदि परिश्रम करोगे तो अवश्य सफल होगे|

२.अगर वर्षा होगी तो फसल भी होगी|

6. विस्मयादिबोधक वाक्य:- आश्चर्य, शोक ,घृणा आदि का भाव जिन वाक्यों में होता हो उसे विस्मयादिबोधक वाक्य कहते हैं|

उदाहरण :-

१.वाह ! तुम आ गए |

२. हाय ! मैं लुट गया |

8209837844 www.ugc-net.com

7. विधानवाचक वाक्य:- जिनमें क्रिया के करने या होने की सूचना मिली |

उदाहरण :-

१.मैंने दूध पिया|

२. वर्षा हो रही है |

8. इच्छावाचक वाक्य :- जिन वाक्यों से इच्छा ,आशीष एवं शुभकामनाएं आदि का ज्ञान हो इच्छावाचक वाक्य कहलाते हैं |

उदाहरण:-

१.तुम्हारा कल्याण हो|

२.भगवान तुम्हें लंबी उम्र दे |

Tricks (सारांश)

1.सरल /साधारण वाक्य:- योजक शब्द (और ,अथवा ,इसलिए, लेकिन...)नहीं आते |

2. संयुक्त वाक्य :- स्वतंत्र सरल वाक्यों का जोड़ |योजक शब्द (और ,अथवा, या, एवं, तथा, लेकिन ....)

3. मिश्रित वाक्य :- दो या अधिक उपवाक्य जो एक प्रधान वाक्य से जुड़े होते हैं |योजक शब्द (कि, जिसे, जिसको, जिसने ,जो ,वह,जब ,तब ,जहां ,वहां, जिधर, उधर ..)

धन्यवाद....

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com